कन्या महाविद्यालय(स्वायत्तशासी) जालंधर

रिपोर्ट - दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

विषय :नई शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन एवं वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग की भूमिका
दिनांक : 29-30 नवंबर,2022
तीन शताब्दियों से नारी शिक्षा में अग्रणी विरासत एवं स्वायत्तशासी संस्था कन्या महाविद्यालय जालंधर में दिनांक 29 नवंबर को नई शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन एवं वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया | वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य एवं सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए अनुभवी शिक्षाविदों ने सहभागिता की और कांफ्रेंस के सामयिक एवं महत्वपूर्ण विषय पर संवाद एवं विचार मंथन किया सम्मेलन का शुभारंभ विगत दिवस प्रातः 10:00 बजे उद्घाटन सत्र के साथ हुआ| इस सत्र में वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष श्री गिरीश नाथ झा तथा राष्ट्रीय कांफ्रेंस के प्रभारी अधिकारी इंजि.श्री जय सिंह रावत, सहायक निदेशक वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के साथ श्री आलोक सौंधी महासचिव विद्यालय प्रबंधक कमेटी ने बतौर मुख्य अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज की| उद्घाटन सत्र का आरंभ वंदे मातरम के समूह गान से हुआ ज्योति प्रज्वलन मां सरस्वती की वंदना के पश्चात माननीय प्राचार्य प्रो.डॉ अतिमा शर्मा द्विवेदी जी ने अपने स्वागत संबोधन में सम्मेलन में सहभागिता के लिए आए सभी गणमान्य अतिथियों,प्रख्यात वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का अभिनंदन किया अपने संबोधन में प्राचार्या जी ने कहा कि किसी भी देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है नई शिक्षा नीति इसी दिशा में नए मार्गों के अनुसरण का दिशानिर्देश करती है | उन्होंने कहा कि के.एम.वी पहले से ही इस दिशा में सक्रियता से अग्रसर है| इंजि श्री जय सिंह रावत जी ने आयोग के लक्ष्यों,कार्यों,उद्देश्य और कार्यप्रणाली का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया| वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष महोदय श्री गिरीश नाथ झा जी ने अपने संबोधन में भारत की भाषाई विविधता को उसकी शक्ति एवं सांस्कृतिक पहचान का आधार बताया उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार मातृभाषा में शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए आयोग समाजविज्ञानों, मानविकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन तथा अन्य विषयों में लाखों की संख्या में निर्मित की गई शब्दावली को डिजिटल माध्यम से जन-जन तक यथाशीघ्र पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील है| उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महोदय श्री आलोक सौंधी,महाचिव,कन्या महा विद्यालय प्रबंध कमेटी जी ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के द्वारा भारतीय

भाषाओं में शिक्षा एवं संवाद के लिए किए जा रहे श्रमसाध्य और महत्वपूर्ण कार्य की अनुशंसा की| उन्होंने के.एम.वी की ओर से इस कार्य के लिए यथासंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया|

पहले दिन के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो.गिरीश नाथ झा जी ने की इस सत्र के प्रथम वक्ता मेजर जनरल प्रो.(डॉ.) जी.जी द्विवेदी (एस.एम, वी.एस.एम एवं बी.ए.आर (सेवानिवृत्त) प्रो.स्ट्रेटजी.आई.आर मैनेजमेंट स्टडीज़, भूतपूर्व सहायक रक्षा प्रमुख, भूतपूर्व प्रो. एवं संस्थापक अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, विजिटिंग प्रोफेसर एल.बी.एम.आई.,एस पी.यू, एन.सी.यू)ने नई शिक्षा नीति के सफल और प्रभावी कार्यान्वयन में शिक्षकों की भविष्योन्मुखी,चिंतनशील रचनात्मक तथा आलोचनात्मक भूमिका को महत्वपूर्ण बताया| प्रथम तकनीकी सत्र के द्वित्तीय स्रोत वक्ता प्रो. (डॉ.) आशुतोष आंगिरस (एसो.प्रो. एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एस.डी कॉलेज, अंबाला कैंट, हरियाणा) ने भारत की शास्त्र ज्ञान परंपरा के आधार पर डिज़ाइन किए गए विभिन्न मॉडल्स के आधार पर नई शिक्षा नीति में वर्णित मूल्य प्रवाह, लोक कल्याण तथा अंतर्ज्ञानानुशासनिक पक्ष पर अपने विचार सांझा किए| भोजन अवकाश के उपरांत आयोजित किए गए द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. सी.पी पोखरना (अध्यक्ष, रसायन विभाग एस.आर.के गवर्नमेंट पी.जी कॉलेज, किशनगढ़, अजमेर, राजस्थान) ने पर्यावरण के संकट और चुनौतियों के संबंध में नई शिक्षा नीति के दृष्टिकोण से ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि पर्यावरण वैश्विक चिंता का विषय है और इससे संबंधित जागरूकता को बढ़ाने के लिए पर्यावरण संबंधित शब्दावली का निर्माण समय की आवश्यकता है| इसी सत्र में डॉ. कुंवर राजीव (एसो.प्रो. भौतिक विज्ञान विभाग, डी.ए.वी कॉलेज, जालंधर) ने भौतिक विज्ञान विषय के व्यावहारिक पक्ष पर अपनी प्रेजेंटेशन में प्रतिपादित किया कि पुस्तकीय ज्ञान को रटना ही शिक्षा का मंतव्य नहीं अपितु विद्यार्थियों के सर्वपक्षीय विकास के लिए समयानुसार नए मानदंड विकसित करना भी आवश्यक है| प्रथम दिवस के अंतिम स्रोत वक्ता डॉ विनोद कुमार (एसो. प्रो. हिंदी, स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड लैंग्वेजिज़ लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा)ने **राष्ट्रीय शिक्षा नीति और वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद अपेक्षा बनाम उपेक्षा** विषय पर अपनी प्रेजेंटेशन में बताया कि सफल और सार्थक अनुवाद के लिए सभी विषयों में संवाद की स्थिति बनना आवश्यक है और यह तभी संभव है जब सभी विषय विशेषज्ञ परस्पर ज्ञान का आदान-प्रदान करें|

राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन 30 नवंबर 2022 को आयोजित किए गए प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंजि. श्री जय सिंह रावत जी ने की इस सत्र के प्रथम स्रोत वक्ता प्रो. ललित सेन शर्मा (कंप्यूटर साइंस एवं आई.टी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू,जम्मू एंड कश्मीर) ने **बैलेंस बिटवीन टेक्स्ट एंड एकोरेसी ऑफ ट्रांसलेटेड कंप्यूटर टेक्निकल टर्मिनोलॉजी** विषय पर अपनी प्रस्तुति में मशीनी अनुवाद की असंगतियों तथा चुनौतियों के प्रति ध्यान आकर्षित किया| इसी सत्र में द्वितीय स्रोत वक्ता प्रो.डॉ.अतिमा शर्मा द्विवेदी (प्राचार्य कन्या महाविद्यालय (स्वायत्तशासी)जालंधर) ने **के.एम.वी में नई शिक्षा नीति एक विशेष अध्ययन**

विषय पर अपनी प्रस्तुति में नई शिक्षा नीति की अनुरूपता में के.एम.वी में अकादमिक बदलावों, वैल्यू ऐडेड प्रोग्राम विद्यार्थियों के सर्वपक्षीय विकास, मूल्यांकन प्रक्रिया में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों से सब को अवगत कराया| दूसरे दिन के अंतिम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो.ललितसेन शर्मा जी ने की इस सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागी प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय कांफ्रेंस के विदेश विषय पर शोध पत्र पढ़े और अपनी प्रेजेंटेशन दी इस सत्र में कांफ्रेंस के प्रभारी अधिकारी श्री जय सिंह रावत ने अपने व्याख्यान द्वारा सभी प्रतिभागियों को आयोग की शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी भी दी|

भोजन अवकाश के पश्चात दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में श्री ध्रुव मित्तल (कोषाध्यक्ष, के.एम.वी) बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। दीपज्योति प्रज्ज्वलन के पश्चात विद्यालय प्राचार्या प्रो. डॉ. आतिमा शर्मा द्विवेदी ने मुख्यातिथि महोदय को प्लांटर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।इस अवसर पर डॉ. रुपिका शर्मा (असिस्टेंट प्रो.हिंदी विभाग,कन्या महाविद्यालय,जालंधर) ने राष्ट्रीय सम्मेलन के दोनों दिनों की समग्र कार्रवाई पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।इंजि. श्री जय सिंह रावत जी ने अपने संभाषण में कहा कि दीर्घ प्रयासों के द्वारा आयोजित हुआ यह सम्मेलन अपने उद्देश्य को चरितार्थ करने में पूर्णतया सफल हुआ।उन्होंने इस सम्मेलन के सुचारु, व्यवस्थित तथा सफ़ल आयोजन के लिए विद्यालय प्राचार्या प्रो. डॉ. अतिमा शर्मा द्विवेदी जी और आयोजक समिति को मुबारकबाद दी। विद्यालय प्राचार्या प्रो. डॉ. अतिमा शर्मा द्विवेदी ने अपने संबोधन में मुख्यातिथि महोदय का उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुए द्वि- दिवसीय आयोजन में सहभागी हुए सभी स्रोत वक्ताओं तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन- सत्र के मुख्यातिथि महोदय श्री ध्रुव मित्तल जी ने अपने संबोधन में नारी शिक्षा एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अग्रणी रहे कन्या महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कि शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय भाषाओं का महत्व असंदिग्ध और सर्वमान्य है ।उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में भी इसे मान्यता दी गयी है.. किन्तु यह तभी संभव है जब हम व्यवहारिक जीवन में अपनी भाषाओं को अपनाएं और उन्हें अपने व्यवसाय और व्यापार का माध्यम भी बनाएं।माननीय मुख्यातिथि महोदय ने कहा कि इस सम्मेलन के विचाराधीन विषय के सार्थक कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है इसमें संदेह नहीं।शिक्षक ही स्वभाषा और संस्कृति के प्रति सौहार्द और उनके व्यवहार के लिए उपयुक्त परिवेश और मानसिकता के सृजन में सहायक हो सकता है।

कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जतिंदरपाल ,एसो. प्रो. अर्थशास्त्र विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालंधर ने द्वि- दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मिलित एवं सहभागी हुए सभी स्रोत वक्ताओं, प्रतिभागियों तथा सम्मेलन के सफ़ल आयोजन को संभव बनाने के लिए प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से योगदान देने वाले आयोजक मंडल के सभी सदस्यों तथा वैज्ञानिक

एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सभी प्रतिनिधियों और उनके द्वारा प्रदत्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।समापन -सत्र राष्ट्र गान के समवेत उच्चारण के साथ संपन्न हुए।



ReplyForward